Hindi Murli Quiz 19-03-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) **तुम आत्मायें जहाँ रहती हो वह है तुम आत्माओं और बाबा का देश। फिर तुम स्वर्ग में जाते हो, जिसकी बाबा स्थापना कराते हैं। बाप खुद उस स्वर्ग में नहीं आते। खुद तो वाणी से परे वानप्रस्थ में जाकर रहते हैं। स्वर्ग में उनकी दरकार नहीं। वह तो दु:ख-सुख से न्यारे हैं ना। तुम तो सुख में आते हो, तो दु:ख में भी आते हो।**

A. ( ) False / ये वाक्य गलत है
B. (•) True / ये वाक्य सही है

Q.2) **बाप कहते हैं अपने ऊपर भी रहमदिल बनो। बेरहमी नहीं बनो। 'अपने ऊपर रहम करना'- इसका क्या तात्पर्य है ? इसे सही पॉइंट्स चयन करके स्पष्ट करें ------**

A. [x] दृष्टि बड़ी अच्छी रखनी है ।
B. [ ] आराम करना है, मेहनत वाला पुरुषार्थ नहीं करना है
C. [x] कभी भी पतित बनने का पुरूषार्थ नहीं करना है।
D. [x] बाप को याद कर पतित से पावन बनना है।
E. [x] ईश्वर ने हमको एडाप्ट किया है, सूक्ष्मवतनवासी फरिश्ता बनकर फिर देवता बनना है

Q.3) **तुम बच्चों को अपनी अवस्था --------- बनाने के लिए सब कुछ देखते हुए जैसे कि देखते ही नहीं हैं, यह अभ्यास करना है। इसमें बुद्धि को ---------- रखना हिम्मत की बात है। परफेक्ट होने में मेहनत लगती है, टाइम चाहिए। जब कर्मातीत अवस्था हो तब वह दृष्टि बैठे, तब तक कुछ न कुछ खींच होती रहेगी। इसमें बिल्कुल उपराम होना पड़ता है।**

[निम्नलिखित विकल्पों में से एक सुबसे सटीक उत्तर से सभी रिक्त स्थान भरें]

A. (•) एकरस
B. ( ) निर्मल
C. ( ) दिव्य
D. ( ) अलौकिक

Q.4) **जिन बच्चों को ईश्वरीय सन्तान की स्मृति रहती है उनकी सही निशानियाँ / विशेषताएं चयन करें ---**

A. [x] वे सतयुग में दैवी संतान होंगे ।
B. [x] उनका सच्चा लव एक बाप से होगा।
C. [x] उनकी कुदृष्टि कभी नहीं हो सकती,क्योंकि वे ब्रह्माकुमार-कुमारी अर्थात् बहन-भाई बनते हैं
D. [ ] वे पूरे कल्प में कभी आसुरी संतान नहीं बनेंगे ।
E. [x] ईश्वरीय सन्तान कभी भी लड़ेंगे, झगड़ेंगे नहीं।

Q.5) **"यहाँ है टाकी, सूक्ष्मवतन में है मूवी, मूलवतन में है साइलेन्स। सूक्ष्मवतन है फरिश्तों का। जैसे घोस्ट को छाया का शरीर होता है ना। आत्मा को शरीर नहीं मिलता है तो भटकती रहती है, उनको घोस्ट कहा जाता है। उनको इन आंखों से भी देख सकते हैं। यह फिर हैं सूक्ष्मवतनवासी फरिश्ते"**

A. ( ) False
B. (•) True

Q.6) **वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही जोड़ें ----- --**

	Choice	Match
A	हम ब्रह्माकुमार-कुमारियाँ बहन-भाई हैं,	इसलिए एक-दो में कुदृष्टि का ख्याल भी नहीं आना चाहिए।
B	पहले हम आसुरी सन्तान थे। अब संगम पर ईश्वरीय सन्तान बने हैं।	सतयुग में फिर दैवी सन्तान होंगे।
C	देवियों को सजा कर पूजा करके डुबोते हैं, शिव का लिंग पूजा करके फिर मिट्टी में मिला देते हैं,	वैसे रावण को भी बनाकर फिर जला देते हैं।
D	जिन्होंने सबसे जास्ती भक्ति की है,	वही सबसे जास्ती ज्ञान आकर लेंगे और पहले-पहले स्वर्ग में जायेंगे ।
E	इस समय यह सारी दुनिया नास्तिक है, बाप को नहीं जानते।	आगे चलकर यह सन्यासी आदि सब आकर आस्तिक जरूर बनेंगे।

Q.7) **वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही चयन करें -----**

	Choice	Match
A	हम असुल मूलवतन के रहवासी हैं।	अभी हम वहाँ जायेंगे वाया सूक्ष्मवतन।
B	अगर कुदृष्टि जाती है,	तो फिर ऊंच पद पा न सकें।
C	तुम्हारी किसी में भी आन्तरिक रग नहीं जानी चाहिए।	अगर रग जाती है तो कहेंगे मोह की बन्दरी।
D	इस समय तुम भी सबको रास्ता बताना सीखते हो,	इसलिए तुम्हारा नाम पाण्डव रखा है।
E	तुम जानते हो यह कब्रिस्तान है,	अब फिर परिस्तान बनना है।
F	यह बृहस्पति की बेहद की दशा तुम्हारी जन्म-जन्मान्तर चलती है।	भक्ति मार्ग में हद की दशायें चलती हैं।

Q.8) **सभी सही वाक्यों का चयन करें ---**

A. ☑ दृढ़ता कड़े संस्कारों को भी मोम की तरह पिघला (खत्म कर) देती है।
B. ☑ सतयुग में माँ-बाप बच्चे का पांव धोकर राज-तिलक देते हैं, राज्य-भाग्य देते हैं।
C. ☑ लक्ष्मी-नारायण कोई एक तो नहीं है ना। उन्हों की तो डिनायस्टी होगी।
D. ☑ तुम्हारा सारा कनेक्शन है ही गीता के साथ। गीता में ज्ञान भी है तो योग भी है।
E. ☑ सम्पूर्ण, कर्मातीत अवस्था को प्राप्त करने के लिए सदा उपराम रहने का अभ्यास करना है।

Q.9) **आज के वरदान पर आधारित यह मैचिंग एक्सरसाइज बहुत ध्यान से करें ---**

	Choice	Match
A	कोई भी परिस्थिति, प्रकृति द्वारा आती है,	इसलिए परिस्थिति रचना है और स्व-स्थिति वाला रचयिता है।
B	मास्टर रचता वा मास्टर सर्वशक्तिवान,	कभी हार खा नहीं सकते।
C	अगर कोई अपनी सीट छोड़ते हैं तो हार होती है,	सीट छोड़ना अर्थात् शक्तिहीन बनना।
D	जो सीट से नीचे आ जाते हैं ,	उन्हें माया की धूल लग जाती है।
E	सच्चे ब्राह्मण,	कभी देह अभिमान की मिट्टी में खेल नहीं सकते।

Q.10) **"बाबा ने आकाश --------- छोड़कर अब दादा के तन को अपना --------- बनाया है, वह छोड़कर यहाँ आकर बैठे हैं। यह आकाश तत्व तो है जीव आत्माओं का ---------। आत्माओं का ----------है वह महतत्व, जहाँ तुम आत्मायें बिगर शरीर रहती थी और फिर --------- छोड़कर यहाँ इस शरीर को अपना ---------- बनाती हो।"**
[निम्नलिखित विकल्पों में से एक सटीक उत्तर से सभी रिक्त स्थान भरें]

A. ◉ सिंहासन
B. ○ तत्व
C. ○ आधार
D. ○ रथ